विद्या भारती

अप्रैल 2025 चैत्र-वैशाख | विक्रमी संवत 2082

संकुल संवाद

अखिल भारतीय साधारण सभा की बैठक

विशेष

- विद्या भारती की नवीन कार्यकारिणी का गठन(4)
- अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन को विनम्र श्रद्धांजलि(5)
- अटल कम्युनिटी दिवस का भव्य और प्रेरणादायी आयोजन(5)
- पंचपदी प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला(6)
- UPSC(CSE-2024) की परीक्षा में विद्या भारती के 23 पूर्व छात्रों का चयन हुआ (10)

अखिल भारतीय साधारण सभा की बैठक

देशभर से पधारे 325 से अधिक समर्पित कार्यकर्ता सम्मिलित

राजगीर । बिहार के राजगीर में 11 से 13 अप्रैल तक विद्या भारती की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। साधारण सभा का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी और विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष, श्री दूसी रामकृष्ण राव जी ने किया। इस अवसर पर वैष्णव रामानुजाचार्य परंपरा के संत पूज्य जीयर सवामी जी का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

साधारण सभा में देशभर से पधारे 325 से अधिक समर्पित कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। इस बैठक में संगठनात्मक दिशा, नवाचार और सेवा गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा कर राष्ट्र निर्माण के लिए सशक्त कार्ययोजना तैयार की गई। साधारण सभा में प्रतिनिधियों ने "शिक्षा से राष्ट्र निर्माण" के महान संकल्प को साकार करने के लिए चिंतन-मनन किया।

काफी टेबल बुक का विमोचन

साधारण सभा में सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने काफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष, श्री दूसी रामकृष्ण राव जी, संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत जी, महामंत्री श्री अवनीश भटनागर जी, श्री रवींद्र चमड़िया जी, श्री प्रदीप कुमार जी आदि मंच पर उपस्थित रहे।

शिशु वाटिका एवं डिजिटल प्रदर्शनी

राजगीर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज की प्रेरणा से विद्या भारती द्वारा आयोजित शिशु वाटिका एवं डिजिटल प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया गया। शिशु वाटिका में नन्हें-मुन्ने बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं रचनात्मक विकास को ध्यान में रखकर गतिविधियां प्रस्तुत की गईं। डिजिटल प्रदर्शनी में विद्या भारती की 12 व्यवस्थाओं के अंतर्गत शैक्षणिक, सांस्कृतिक और तकनीकी विषयों पर आधारित मॉडल, पोस्टर आदि प्रदर्शित किए गए।

आगे जारी ...

समरसता का अनुपम संगमः साधारण सभा का द्वितीय दिवस बना सामाजिक एकता का उत्सव

पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर द्वारा राजगीर क्षेत्र में 30 से अधिक संस्कार केंद्रों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा, संस्कार और आत्मनिर्भरता से युक्त किया जा रहा है।

देशभर में लगभग 4000 संस्कार केंद्र संचालित हो रहे हैं, जहाँ साधारण सभा के अवसर पर आयोजित समरसता भोज में 11 गांवों की 109 माताएं सहभागी बनीं।

यह न केवल सामाजिक सहयोग था, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव में महिलाओं की भूमिका को भी सशक्त रूप में दर्शाता है। यह दिन साधारण सभा के सभी प्रतिनिधियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया — जहाँ सेवा, सम्मान और समरसता एक साथ थे।

साधारण सभा का दूसरा दिन “समरसता और सेवा” के अद्वितीय भाव से सराबोर रहा। इस दिन का सबसे प्रेरणादायी दृश्य तब देखने को मिला जब सेवा बस्तियों में संचालित संस्कार केंद्रों की माताएं और बच्चे, अपनी श्रद्धा, आत्मीयता और अपनत्व के साथ आयोजन स्थल पर पहुँचे। उन्होंने अपने हाथों से बनाए रोटियाँ, सब्जियाँ और पारंपरिक व्यंजन देशभर से पधारे अतिथियों के लिए प्रेमपूर्वक अर्पित किए।

विद्या भारती की नवीन कार्यकारिणी का गठन

डॉ. रविंद्र कान्हेरे अध्यक्ष, श्री देशराज शर्मा महामंत्री

डॉ. रविंद्र कान्हेरे जी
अध्यक्ष

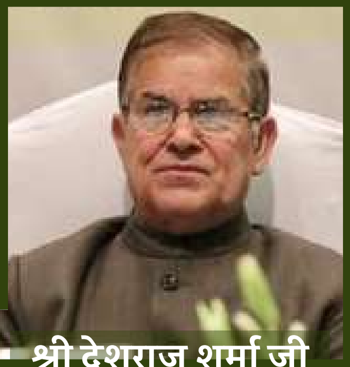

श्री देशराज शर्मा जी
महामंत्री

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान को नया नेतृत्व मिला है।

प्रख्यात शिक्षाविद्, दूरदर्शी प्रशासक और समर्पित राष्ट्रवादी विचारक डॉ. रविंद्र कान्हेरे को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है।

मूल रूप से भोपाल निवासी डॉ. कान्हेरे वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग की प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। आप भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति रहे हैं और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रति कुलपति के रूप में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। आपका शैक्षणिक, संगठनात्मक और नैतिक नेतृत्व विद्या भारती की विचारधारा और कार्यप्रणाली को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। आगामी तीन वर्षों तक आप इस महत्वपूर्ण पद का दायित्व निभाएंगे।

वहीं, देशराज शर्मा जी को विद्या भारती का महामंत्री नियुक्त किया गया है।

देशराज शर्मा जी ने शिशु मंदिर योजना में आचार्य के रूप में अपने सेवा पथ की शुरुआत की थी। अपने समर्पण, संगठन कौशल और शैक्षिक दृष्टिकोण के बल पर वे प्रधानाचार्य बने और फिर संगठन के विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के मंत्री के रूप में कार्यरत रहे। आपका जीवन शिक्षण, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण के कार्यों को समर्पित रहा है। अनुशासन, कर्मठता और समर्पण के प्रतीक देशराज शर्मा जी के नेतृत्व में विद्या भारती का कार्य और अधिक संगठित, प्रभावशाली और राष्ट्रहितकारी बनने की आशा है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की नवीन कार्यकारिणी घोषित

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की नवीन कार्यकारिणी 13 अप्रैल 2025 को घोषित हुई। कार्यकारिणी में अध्यक्ष और संरक्षक के अलावा 5 उपाध्यक्ष, 1 संगठन मंत्री, 2 सह संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष, 5 मंत्री, 5 सहमंत्री और 8 कार्यकारिणी सदस्य घोषित किए गए हैं।

क्र.	पद	नाम
1	संरक्षक	श्री ब्रह्मदेव शर्मा (भाई जी)
2	अध्यक्ष	श्री रवीन्द्र कान्हेरे
3	उपाध्यक्ष	श्री दूसी रामकृष्ण राव
4	उपाध्यक्ष	श्री अवनीश भटनागर
5	उपाध्यक्ष	श्री राजेन्द्र प्रसाद खेतान
6	उपाध्यक्ष	डॉ. शंकर राय
7	उपाध्यक्ष	श्रीमती साधना भण्डारी
8	संगठन मंत्री	श्री गोविन्द चन्द्र महंत
9	सह संगठन मंत्री	श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा
10	सह संगठन मंत्री	श्री श्रीराम आरावकर
11	महामंत्री	श्री देशराज शर्मा
12	कोषाध्यक्ष	श्री रोहित वासवानी
13	मंत्री	डॉ. मधुश्री संजीव सावजी
14	मंत्री	श्री ब्रह्माजी राव
15	मंत्री	डॉ. कमल किशोर सिन्हा
16	मंत्री	श्री शिव प्रसाद
17	मंत्री	डॉ. राजश्री वैद
18	सहमंत्री	श्रीमती नंदिनी लक्ष्मीकांत
19	सहमंत्री	सुश्री पवित्रा दहाल
20	सहमंत्री	प्रो. हजारी लाल बेरवा
21	सहमंत्री	श्रीमती गायत्री वाहिनीपति
22	सहमंत्री	डॉ. बावली चौधरी
23	कार्यकारिणी सदस्य	श्री जे. एम. काशीपति
24	कार्यकारिणी सदस्य	श्री रवीन्द्र चड़िया
25	कार्यकारिणी सदस्य	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
26	कार्यकारिणी सदस्य	श्री आर. रवीन्द्रन
27	कार्यकारिणी सदस्य	प्रो. कीर्ति पाण्डेय
28	कार्यकारिणी सदस्य	डॉ. ज्वाला प्रसाद
29	कार्यकारिणी सदस्य	सुश्री रेखा चुडासमा
30	कार्यकारिणी सदस्य	श्री जैनपाल जैन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पुरोधा अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन को विनम्र श्रद्धांजलि

पद्मविभूषण से सम्मानित, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने राज्यसभा और योजना आयोग जैसे विविध क्षेत्रों में राष्ट्र की सेवा की। अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में उनका योगदान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निर्माण एवं क्रियान्वयन में उनका नेतृत्व अविस्मरणीय रहेगा। वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शिक्षाविद्, पर्यावरणविद विभिन्न भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभाने वाले डॉ. कस्तूरीरंगन उदात्त मानवतावादी और संवेदनशील व्यक्ति थे। विद्या भारती परिवार डॉ. कस्तूरीरंगन के उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण करते हुए उनके परिवार एवं प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। ऐसे महान राष्ट्रभक्त को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा को ईश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दें, यही प्रार्थना करते हैं। इसरो के पूर्व प्रमुख कस्तूरीरंगन का 25 अप्रैल को 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन

अटल कम्युनिटी दिवस का भव्य और प्रेरणादायी आयोजन

माध्यमः ऑनलाइन | विद्या भारती के तत्वावधान में "नवाचार, तकनीक और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का संगम" का संदेश लेकर अटल कम्युनिटी दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में देशभर के 500+ एटीएल युक्त विद्यालयों ने भाग लिया, जहां छात्रों ने 3-डी डिजाइनिंग, PCB डिजाइनिंग, NodeMCU, Raspberry Pi जैसी उन्नत तकनीकों पर आधारित अपने प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। 7 से 11 अप्रैल के दौरान आयोजित ATL कम्युनिटी वीक में विशेषज्ञों ने छात्रों और शिक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विद्या भारती के महामंत्री श्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत और अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग से जुड़े प्रोफेशनल श्री सुमन पंडित आदि का मार्गदर्शन मिला। इस अवसर पर नितिन चौबे जी ने TECHATHON 2025 की आगामी थीम्स की घोषणा की। धन्यवाद ज्ञापन कमल किशोर सिन्हा जी ने किया।

विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष, डॉ. रविंद्र कान्हेरे जी एवं अखिल भारतीय मंत्री के सानिध्य में विद्याभारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री एवं कार्यकर्ताओं ने, माननीय राज्यपाल, झारखंड, श्री संतोष कुमार गंगवार से सौजन्य भेट कर NEP, पंचपदी अधिगम पद्धति एवं झारखंड के विश्वविद्यालयों में वैदिक गणित की पढ़ाई संबंधित चर्चा की।

पंचपदी प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

लगभग 60 प्रशिक्षकों को पंचपदी शिक्षण पद्धति का प्रशिक्षण दिया गया

विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर नेहरू नगर गाजियाबाद में पंचपदी अधिगम पद्धति से संबंधित चार दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 16 से 20 अप्रैल तक किया गया। कार्यशाला में विद्या भारती के उपाध्यक्ष श्री रामकृष्ण राव जी ने समय के अनुसार अपनी अधिगम प्रक्रिया में परिवर्तन करने के लिए तत्पर रहने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने भी अपने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क में “फाइव स्टेप्स ऑफ़ लर्निंग” अर्थात् “पंचपदी शिक्षण पद्धति” को अपनाया है। नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क पंचपदी अधिगम प्रक्रिया पर ही पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को संचालित करने की बात कहता है। विद्या भारती के उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर जी ने सृष्टि के उद्गम के साथ शिक्षा के उद्गम और अधिगम प्रक्रिया में मनुष्य की इंद्रियों के महत्व को प्रतिपादित किया।

उन्होंने बताया कि संपूर्ण अधिगम प्रक्रिया अधीति, बोध, अभ्यास, प्रयोग व प्रसार के पांच सोपानों के माध्यम से संचालित होती है जिसमें इंद्रियों का बहुत अधिक महत्व है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू जी ने विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यशाला में पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के 60 प्रशिक्षकों को पंचपदी शिक्षण पद्धति का प्रशिक्षण दिया गया जिससे वे अपने क्षेत्र में जाकर पंचपदी शिक्षण पद्धति को अधिक विस्तार दे सकें। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के मेरठ प्रांत संगठन मंत्री श्री प्रदीप जी, विद्यालय प्रबंधक श्री दीपांशु पाल जी और प्राचार्य विपिन राठी जी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश की प्रथम एस्ट्रोनोमी प्रयोगशाला सरस्वती शिशु मंदिर सिवनी में स्थापित की गई।

प्रधानाचार्य समीक्षा एवं कार्य योजना बैठक

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दामोदरनगर कानपुर में तीन दिवसीय प्रधानाचार्य समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री हेमचंद्र जी क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश ने कहा कि हम योजना बनाकर कार्य करते हैं जिससे समाज को अच्छे नागरिक मिल सकें। हमको संपर्क करना आवश्यक है तब विद्यालय समाज केंद्रित होता है। बैठक में श्री रजनीश पाठक जी प्रदेश संगठन मंत्री, दिनेश जी क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख, डॉ. राकेश निरंजन जी अध्यक्ष, श्री राकेश पोरवाल जी मंत्री, अयोध्या प्रसाद जी मिश्र प्रदेश निरीक्षक, आर.के.सिंह जी सह मंत्री, अजय जी, शिवकरण जी संभाग निरीक्षक, विद्यालय के प्रबंधक श्री ओमप्रकाश अग्रवाल जी आदि उपस्थित रहे।

तेलंगाना की शिशु मंदिर टीम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से की भेंट

विद्या भारती तेलंगाना की शिशु मंदिर टीम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर शिशु मंदिर के पूर्व छात्र एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री श्री बंदी संजय जी और विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान रक्षा मंत्री से विजयवाड़ा में प्रस्तावित 'नेताजी सैनिक स्कूल' की स्थापना को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

सांसद गोडोम नागेश ने किया शिशु मंदिर का दौरा

सांसद गोडोम नागेश ने श्री विद्यारण्य आवासीय विद्यालय, हैदराबाद के शिशु मंदिर का दौरा किया। सांसद नागेश ने मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्या भारती की सराहना की। इस दौरान क्षेत्र अध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस श्री चमार्थी उमामहेश्वर राव, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी, क्षेत्र कोषाध्यक्ष श्री पसारथी मलय और क्षेत्र प्रशिक्षण प्रमुख श्री रावुला सूर्यनारायण आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय

विद्या भारती कानपुर प्रांत कार्यालय में प्रांत के सेवा विभाग द्वारा नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय का 20 अप्रैल 2025 को उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री श्री रजनीश पाठक, निदेशक-विजन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस कानपुर के ग्रुप कैप्टन श्री राजीव वार्ष्णेय जी आदि उपस्थित रहे। इस चिकित्सालय में डॉ. शिवेन्द्र (बी.एच.एम.एस., एम.डी.) अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

समर्थ शिशु श्रीराम कथा

पंच दिवसीय समर्थ शिशु श्रीराम कथा का आयोजन श्रीमती ब्रह्मदेवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका विद्यालय हापुड़ में कथा व्यास पं. श्याम स्वरूप मनावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर बालिका शिक्षा की दृष्टि से तीन दिवसीय किशोरी कथा का आयोजन भी किया गया। स्थानीय आचार्यों का प्रशिक्षण, शैक्षिक गोष्ठी एवं शिशु वाटिका आचार्य प्रांत परिषदों की बैठकों का भी आयोजन हुआ। इनमें श्री गोविंद चंद्र महंत जी, श्री श्रीरामजी आरावकर जी, सुश्री आशा थानकी जी, श्री डोमेश्वर साहू जी, श्री प्रदीप जी, श्री शिवकुमार जी, श्रीमती नम्रता दत्त जी, श्रीमती सुधा बाना जी, श्री हुकुमचंद भुवंता जी, श्री जयेश त्रिवेदी जी आदि उपस्थित रहे।

माता-पिता भोजन उत्सव

श्री विद्यारण्य इंटरनेशनल स्कूल, हैदराबाद में माता-पिता भोजन उत्सव का आयोजन किया गया। माताओं ने खाना पकाया और बच्चों को वितरित किया। संघ की भावना में परिवार प्रबोधन के मूल्य को व्यक्त करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय अध्यक्ष का झारखंड प्रवास

संवाद, संकल्प और संगठन की दिशा में सशक्त पहल

विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे जी का झारखंड प्रवास – संवाद, संकल्प और संगठन की दिशा में सशक्त पहल रहा। उन्होनें अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान प्रबुद्ध जनों, विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं तथा पूर्व छात्रों से विशेष भेंट एवं संवाद किया।

इस अवसर पर उन्होंने शैक्षिक, सामाजिक और राष्ट्रीय परिदृश्य में विद्या भारती के सकारात्मक योगदान को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की कार्ययोजना ऐसी हो जो भारतीय मूल्यों, समरसता और राष्ट्रभाव को जन-जन तक पहुंचाए तथा पूर्व छात्रों एवं समाज की सहभागिता को और अधिक सक्रिय बनाए। अध्यक्ष जी ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि “संवाद से दिशा मिलती है और संकल्प से कार्य सिद्ध होते हैं।”

इस गरिमामयी अवसर पर प्रांत मंत्री श्री ब्रजेश जी, प्रांत सचिव श्री नकुल शर्मा जी, तथा क्षेत्र मंत्री श्री रामावतार जी भी मंच पर उपस्थित रहे और संगठन की भावी योजनाओं को साझा किया। यह प्रवास केवल भेंट नहीं, बल्कि झारखंड में विद्या भारती के कार्य को नई ऊर्जा, नयी दिशा और नवसंकल्प प्रदान करने का प्रेरणास्रोत बना।

हिन्दी विषय की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और संपादन पर कार्यशाला

मथुरा। सरस्वती विद्या मंदिर ब्रज प्रदेश प्रकाशन, माधव कुंज द्वारा हिन्दी विषय की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा एवं संपादन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कक्षा एकादश एवं द्वादश की पुस्तकों के संपादन और नवम एवं दशम की पुस्तकों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर विद्या भारती ब्रज प्रदेश के शैक्षिक प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) राकेश सारस्वत ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की आवश्यकता, स्वरूप और नवीन परिवर्तनों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया। भारतीय शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने हिन्दी भाषा की विविध विधाओं के विकास और विद्यार्थियों के व्यावहारिक भाषा-ज्ञान को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर (डॉ.) विजेन्द्र प्रताप सिंह ने पुस्तक लेखन की बारीकियों तथा भाषा के विकास में पुस्तकों की भूमिका पर विचार रखे। शिक्षण-प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. अजय शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में पुस्तक निर्माण की प्रक्रिया पर बल देते हुए कहा कि पाठ्यवस्तु का उद्देश्य स्पष्ट हो और उसकी शैक्षिक संप्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

लखनऊ से पधारे श्री अशोक शर्मा ने अभ्यास कार्यों को प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिकोण से उपयोगी बनाने की सलाह दी। कार्यशाला का संचालन ब्रज प्रदेश प्रकाशन के निदेशक डॉ. राम सेवक ने किया। कार्यशाला में 12 हिन्दी प्रवक्ताओं और 6 विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ श्री वीरेन्द्र मिश्रा, श्री नरेन्द्र (सिकन्द्राबाद), श्री मनोहर, श्री रामबाबू जी, श्री विनोद (खुर्जा), श्रीधर जी, श्री रामनिवास शर्मा (खेरागढ़), श्री अश्विनी (अतरौली), श्री प्रद्युम्न (बल्देव), श्री घनश्यामदास गुप्ता, श्री अजय (सिकन्द्राराव) और श्री शिव दयाल (शिकोहाबाद) आदि उपस्थित रहे।

उपलब्धियाँ

विद्या भारती के पूर्व छात्रों का सिविल सेवा परीक्षा में चयन

CSE-2024 की परीक्षा में विद्या भारती के 23 पूर्व छात्रों का चयन हुआ

01
नाम : विभोर सारस्वत
रैंक : 19
विद्यालय : स वि मं इंटर कॉलेज, शिकारपुर, बुलंदशहर
प्रांत : मेरठ

02
नाम : ऋषभ चौधरी
रैंक : 28
विद्यालय : सरस्वती शिशु मंदिर, गरोठ
प्रांत : मालवा

03
नाम : साकेत सिंह
रैंक : 65
विद्यालय : ज्वाला देवी स. वि. मं. , सिविल लाइन, प्रयागराज
प्रांत : काशी

04
नाम : निखिल शर्मा
रैंक : 104
विद्यालय : उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर, कलसरा, भरतपुर
प्रांत : जयपुर

05
नाम : आशुतोष मिश्रा
रैंक : 198
विद्यालय : सरस्वती शिशु मंदिर, छतरपुर
प्रांत : महाकोशल

06
नाम : सत्यम चतुर्वेदी
रैंक : 205
विद्यालय : श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा
प्रांत : ब्रज

07
नाम : आलोक सिंह
रैंक : 207
विद्यालय : रानी रेवती देवी स. वि. निकेतन इं कॉ, प्रयागराज
प्रांत : काशी

08
नाम : सिद्धार्थ पोखरना
रैंक : 216
विद्यालय : आदर्श विद्या निकेतन, चित्तौड़गढ़
प्रांत : चित्तौड़

09
नाम : अंकित थावनी
रैंक : 273
विद्यालय : स शि मं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजिम
प्रांत : छत्तीसगढ़

10
नाम : पवन कुमार पांडे
रैंक : 334
विद्यालय : सरस्वती शिशु मंदिर , पक्कीबाग, गोरखपुर
प्रांत : गोरक्ष

11
नाम : मोनु शर्मा
रैंक : 359
विद्यालय : सरस्वती शिशु मंदिर, इटारसी
प्रांत : मध्य भारत

12
नाम : विवेक यादव
रैंक : 413
विद्यालय : स. वि. मं. विद्यालय, चंदेरी, अशोक नगर
प्रांत : मध्य भारत

13
नाम : मंथन जिंदल
रैंक : 440
विद्यालय : आदर्श विद्या मंदिर, भुसावर
प्रांत : जयपुर

14
नाम : मनीष मीणा
रैंक : 534
विद्यालय : आदर्श विद्या मंदिर, टोडाभीम, जिला करौली
प्रांत : जयपुर

15
नाम : मोहित मंगल
रैंक : 536
विद्यालय : आदर्श विद्या मंदिर, गंगापुर
प्रांत : जयपुर

16
नाम : विमलोक तिवारी
रैंक : 554
विद्यालय : स. शि. मं. वरिष्ठ मा. विद्यालय, सूरजकुंड, गोरखपुर
प्रांत : गोरक्ष

17
नाम : गौरव छिंवाल
रैंक : 564
विद्यालय : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नैनीताल
प्रांत : उत्तराखंड

18
नाम : खेतदान चारण
रैंक : 689
विद्यालय : आदर्श वि.मं. मा. वि., पंचपदरा, जि. बालोतरा
प्रांत : जोधपुर

19
नाम : अनुराग वत्स
रैंक : 691
विद्यालय : सरस्वती विद्या मंदिर, ग्राम भारती, अमेठी
प्रांत : काशी

20
नाम : पंकज सोनी
रैंक : 757
विद्यालय : आदर्श विद्या मंदिर उच्च मा विद्यालय, जैतरन
प्रांत : जोधपुर

21
नाम : सुधांशु रंजन साहू
रैंक : 828
विद्यालय : स. वि. मंदिर इंटर कॉलेज, मौदहा, हमीरपुर
प्रांत : कानपुर

22
नाम : अरुण कुमार
रैंक : 911
विद्यालय : सरस्वती विद्या मंदिर, मिलख, जिला रामपुर
प्रांत : मेरठ

23
नाम : दीपक मीणा
रैंक : 925
विद्यालय : आदर्श विद्या मंदिर, विवेकानंदपुरम, सवाई माधोपुर
प्रांत : जयपुर

पूर्व छात्र सचिन भारगो को विक्रम पुरस्कार

भारतीय खो-खो टीम के उपकप्तान सचिन भारगो (चिंगारी) को मध्य प्रदेश शासन ने विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया। सचिन भारगो विद्या भारती मालवा के सरस्वती शिशु मंदिर देवास के पूर्व छात्र हैं।

खेल मंत्रालय द्वारा सत्येंद्र दुबे सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज़ सत्येंद्र दुबे श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल मथुरा के छात्र हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनकी इस उपलब्धि पर भारत सरकार के खेल मंत्रालय ने उन्हें सम्मानित किया है।

पूर्व छात्र महेंद्र सिंह को पेरिस इन्फ्लेशन पुरस्कार

बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेड़ी पुलिया, कर्वी (चित्रकूट) के पूर्व छात्र महेंद्र सिंह को पेरिस गवर्नमेंट द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पेरिस इन्फ्लेशन दिया गया है। महेंद्र सिंह ने 2012 में हाईस्कूल एवं 2014 मे इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

पूर्व छात्र शिवेन्द्र सिंह ने बनाई वायरल गुरु के नाम से पहचान

सरस्वती विद्या मंदिर, शुक्लागंज, उन्नाव से शिवेन्द्र सिंह बघेल ने द्वादश कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की और चन्दौली जिले की चकिया ब्लॉक में बेसिक शिक्षा में 2018 से अध्यापक रहे। इनका ट्रांसफर हरदोई के लिए जब हुआ तो बच्चे फफक - फफक कर रो पड़े थे। इसका उल्लेख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी किया था। विभिन्न टीवी चैनल्स ने शिवेन्द्र सिंह को सम्मानित किया और प्रिंट मीडिया में इनके इंटरव्यू प्रकाशित हुए हैं। शिक्षा जगत में शिवेन्द्र सिंह बघेल को वायरल गुरु के नाम से जाना जाता है।

अभ्युदय और सुमन का इसरो के कार्यक्रम युविका में चयन

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, खागा के हाईस्कूल के छात्र अभ्युदय मिश्र का चयन इसरो द्वारा आयोजित कार्यक्रम युविका (युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम) हेतु किया गया। इसमें छात्रों को कक्षा व्याख्यानों, मॉडल रॉकेटों के संयोजन और प्रक्षेपण, रोबोटिक चुनौतियों आदि में हिस्सा लेने का अवसर मिलता है।

पूरे देश से 350 छात्रों का चयन युविका हेतु किया गया। इनमें से उत्तर प्रदेश से 10 छात्र थे। बालिका आदर्श विद्या मंदिर बायतू की छात्रा सुमन गोदारा का जोधपुर संभाग से युविका कार्यक्रम में चयन हुआ। युविका कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान में अल्पआयु से रुचि जाग्रत करना है।

तकनीकी विकास की ओर बढ़ते कदम

- **विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के 60 प्रतिशत विद्यालयों में 4K इंटरेक्टिव पैनल (स्मार्ट क्लास) की पहुंच हो गई है।**
- **प्रान्त के 274 में से 163 विद्यालयों में 221 4K पैनल लगाए गए हैं।**
- **अगले सत्र तक 80 प्रतिशत विद्यालयों तक इंटरएक्टिव पैनल की पहुंच का लक्ष्य रखा गया है।**
- **इसके साथ ही आचार्य प्रशिक्षण की योजना भी चल रही है।**

पैनल बोर्ड प्रशिक्षण

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com I vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126